UDAIPUR CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY

(Apex body of Trade, Industry, Mining, Education & Tourism of Southern Rajasthan)

UCCI e-News Letter

16.09.2017

*U*pgradation of Skills | *C*apacity Building | *C*ommunication | *I*nfrastructure Development

''अग्निशमन प्रबंधन एवं उद्योगों में आग से सुरक्षा के उपाय'' विषय पर सेमिनार का आयोजन – 16 सितम्बर, 2017

"आग कितनी तरह की होती है, यदि आप यह नहीं जानते है तो आप आग बुझाने के लिये उपयुक्त अग्निशमन यंत्र का इस्तेमाल नहीं कर पायेंगे। यदि आग छोटे पैमाने पर लगी है, तभी आग पर काबू पाने का प्रयास करें। बड़े पैमाने पर आग के फैलने पर स्वयं की एवं अन्य लोगों की जान बचाने को प्राथमिकता दे।''

उपरोक्त जानकारी श्री प्रणय जानी ने यूसीसीआई में दी।

उदयपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा यूसीसीआई भवन के पी.पी. सिंघल ऑडिटोरियम में ''अग्निशमन प्रबंधन एवं उद्योगों में आग से सुरक्षा के उपाय'' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में श्री प्रणय जानी विषय विशेषज्ञ थे। सेमिनार में विभिन्न उद्योगों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, होटल व्यवसाय, सर्विस इण्डस्ट्री आदि से जुड़े उद्यमियों एवं कर्मचारियों सहित 125 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अध्यक्ष श्री हंसराज चौधरी ने विषय विशेषज्ञ एवं सभी प्रतिभागियों का यूसीसीआई में स्वागत करते हुए कहा कि सुरक्षा केवल उद्योगों में ही नहीं अपितु सभी जगह आवश्यक है।

श्री चौधरी ने कहा कि हमारी ऐसी प्रवृत्ति है कि दुर्घटना के घटित हो जाने के उपरान्त हम जागते हैं। उन्होंने शहर में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दुर्घटनावश घटित हुई मौतों का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर सुरक्षा के उपाय अपनाये जायें तो इस प्रकार के हादसों को रोका जा सकता है। श्री हंसराज चौधरी ने छोटे एवं बड़े सभी प्रकार के उद्योगों में "दुर्घटना प्रबन्धन एवं औद्योगिक त्रासदियों की रोकथाम" को एक आन्दोलन के रूप में आरम्भ किए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उद्योगों में सुरक्षात्मक उपायों से सम्बन्धित कार्यक्रमों के आयोजन हेतु यूसीसीआई संकल्पबद्ध है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री आशीष छाबड़ा ने विषय विशेषज्ञ का परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि अग्नि जीवन का आवश्यक अंग है किन्तु नियंत्रण के बाहर होने पर यह विनाशकारी साबित होती है। उद्योगों के नियोक्ताओं एवं प्रबन्धकों में अग्निशमन एवं सुरक्षा के उपायों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए इस सेमिनार का आयोजन रखा गया है।

तकनीकी सत्र के दौरान विषय विशेषज्ञ श्री प्रणय जानी ने अग्नि सुरक्षा प्रबंधन के तहत विभिन्न प्रकार की आग तथा अग्नि से बचाव के उपायों के विषय में पावर पॉईन्ट प्रेजेनटेशन के माध्यम से जानकारी दी।

श्री प्रणय जानी ने बताया कि ऑक्सीजन, ईंधन एवं उष्मा के संयोग द्वारा ही अग्नि उत्पन्न होती है। रुई, कागज, कचरा, लकड़ी, सूखा चारा इत्यादि से लगने वाली आग को क्लास "ए" के तहत परिभाषित किया गया है तथा इस पर पानी डालकर काबू पाया जा सकता है।

पेट्रोल, डीजल आदि ज्वलनशील पदार्थो में लगी आग को "बी" श्रेणी में परिभाषित किया गया है तथा इसके लिये झाग वाला अग्निशमन यंत्र प्रयोग में लिया जाता है। ज्वलनशील गैसें जैसे कि रसाई गैस तथा शॉर्ट सर्किट से विद्युत सप्लाई लाईन में लगी आग को "सी" श्रेणी में परिभाषित किया गया है तथा इस प्रकार की आग पर काबू पाने के लिये पहले गैस का रिसाव अथवा विद्युत का प्रवाह रोकने के बाद अग्नि शमन यंत्र का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। ज्वलनशील रसायनिक तत्वों जैसे सोडियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम आदि में लगी आग सर्वाधिक हानिकारक होती है तथा उच्च तापमान के कारण इसके निकट जाने पर झुलस जाने का खतरा रहता है।

आग के नियंत्रण से बाहर होने पर स्वयं सुरक्षित निकलने तथा अन्य लोगों को बचाने के उपायों के विषय में श्री प्रणय जानी द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। बहुमंजिला इमारतों, कॉम्पलेक्स, मॉल, सिनेमा हाल आदि में फायर हाईड्रेन्ट की व्यवस्था के बारे में जानकारी देते हुए श्री प्रणय जानी ने सभी बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं औद्योगिक इकाईयों में आग लग जाने की स्थिति में सुरक्षित निकासी का मार्ग पूर्व निर्धारित किये जाने तथा इस बाबत् सभी कार्मिकों को प्रशिक्षण दिये जाने का सुझाव दिया।

अग्निशमन यंत्रों तथा आग से बचाव के आधुनिक उपकरणों के संदर्भ में बताते हुए श्री जानी ने स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म आदि यंत्रों के बारे में विस्तार से बताया।

आग लगने पर "क्या करना चाहिए" तथा "क्या नहीं करना चाहिए" के बारे में भी श्री जानी ने स्लाईड प्रेजेन्टेशन के माध्यम से जानकारी दी।

प्रश्नोत्तरकाल के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं एवं प्रश्नों का विषय विशेषज्ञ द्वारा समाधान प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के अन्त में श्री आशीष छाबड़ा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।